कौशल विकास के लिए आइआइएम और एनआइटी ने सरकार के साथ मिलाया हाथ

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया●रायपुर: प्रदेश में शिक्षा, नवाचार और युवाओं के कौशल विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से राज्य सरकार, आइआइएम रायपुर, एनआइटी रायपुर और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के बीच 172 करोड़ रुपये का एमओयू साइन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शुक्रवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में इस एमओयू के साक्षी बने।

समझौते के तहत वर्ष 2025-26 में उद्यमिता केंद्र का निर्माण शुरू होगा, जिसे 2027-28 तक पूरी तरह क्रियाशील करने का लक्ष्य है। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने आइआइएम रायपुर को 101 करोड़ और एनआइटी रायपुर को 71 करोड़ रुपये का दान देने की घोषणा की। यह केंद्र वर्ष 2030 तक 10,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण देगा, 250 से अधिक स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट करेगा और 5,000 से ज्यादा कुशल नौकरियां सृजित करेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह साझेदारी 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन' को साकार करने की दिशा में अहम 'कदम है, जिससे शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार की पहुंच गांव-गांव तक होगी। उन्होंने इसे कौशल विकास के नए युग की शुरुआत बताया।

- शासन, आइआइएम, एनआइटी और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के एमओयू पर हस्ताक्षर
- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बोले- 172 करोड़ रुपये से होगी नए युग की शुरुआत

राजधानी में सीएम विष्णु देव साय की उपस्थिति में शासन, आइआइएम, एनआइटी व मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर। ● डीपीआर

मिले 6.75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य अब कोर सेक्टर के साथ-साथ सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फार्मा, डिफेंस, एयरोस्पेस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बीते 20 महीनों में 350 से अधिक सुधार लागू होने से निवेश का अनुकूल माहौल बना है और केवल आठ माह में 6.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। कार्यक्रम में मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन रामदेव अग्रवाल ने रायपुर में किसानों के लिए देश का सबसे बड़ा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। दान राशि से आइआइएम रायपुर में 'ओसवाल छात्रावास' के 202 कमरे और 'दाऊ राम गोपाल अग्रवाल नालेज सेंटर' का निर्माण होगा। साथ ही, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की शीर्ष संस्थाओं के सहयोग से छह अंतरराष्ट्रीय एमबीए कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। एनआइटी रायपुर में 'मिथिलेश अग्रवाल सेंटर आफ एक्सीलेंस' की स्थापना होगी, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, इंटरनेट आफ थिंग्स, ब्लाकचेन और क्लीन एनर्जी जैसे डीप-टेक क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव निहारिका बारीक, उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सचिव एस. भारतीदासन समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

Naidunia, 09 August, 2025, 01